इजराइल से युद्ध विराम के लिए हमास का नया प्रस्ताव, कहा- पहले जंग रोकें, फिर बंधकों की रिहाई

यरुशलम ।
हमास-इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा का समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमास ने मध्यस्थों के सामने संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक प्रस्ताव रखा है। उसकी मांग है कि इजराइल 129 बंधकों में से किसी की भी रिहाई से पहले छह सप्ताह के युद्ध विराम का पालन करे। हालांकि, इजराइल द्वारा रखे प्रस्ताव को हमास ठुकरा चुका है, तो ऐसे में देखना होगा कि इस समझौते पर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का क्या रुख होगा।

बताया जा रहा है कि हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को खारिज कर दिया था। बाद में, उसने नया प्रस्ताव सामने रखा।

हमास ने रखीं ये मांगें - रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्ताव में हमास ने मांग की है कि इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) गाजा में सभी हमलों को रोक दे और शहरी क्षेत्रों से छह सप्ताह के लिए पीछे हट जाए। इससे विस्थापित फलस्तीनी उत्तर में लौट सकेंगे। समझौते में यह भी कहा गया है कि छह सप्ताह की समाप्ति के बाद ही किसी भी बंधक को रिहा किया जाएगा।

इतना ही नहीं हमास ने यह भी कहा है कि हर इजराइली नागरिक के लिए 30 फलस्तीनी कैदियों को छोड़ना होगा। इसके अलावा, 50 फलस्तीनी कैदियों को हर बंदी सैनिक के लिए रिहा करने की मांग की है। बता दें, 50 कैदियों में से 30 आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। गौरतलब है, हमास ऐसा समझौता पहले भी रख चुका है, जिसे इजराइल ने खारिज कर दिया था।

अपनी मांगों पर हमास अड़ा - इससे पहले हमास ने इजराइल के बंधक समझौते और संघर्ष विराम पर बात की और अपनी मांगों पर अड़े रहकर प्रस्ताव खारिज कर दिया। उसका कहना है कि वह स्थायी युद्धविराम, गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी, उत्तरी गाजा और अन्य क्षेत्रों में फलस्तीनियों की वापसी, मानवीय सहायता में वृद्धि और पट्टी के पुनर्निर्माण की शुरुआत के लिए अपनी मूल मांगों पर कायम है।

इजराइल-हमास के बीच कई माह से जंग जारी - हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

नौ मई तक बखमुत के पास के शहरों पर कब्जा करना चाहता है रूस, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर का दावा

कीव । रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का समय हो चुका है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, यूक्रेन के शीर्ष कमांडर ने रविवार को दावा किया कि रूसी बलों ने नौ मई तक चासिव यार शहर पर कब्जा करने का लक्ष्य रखा है। रूसी हमलों को देखते हुए यह शहर अखाड़े के लिए तैयार हो गया है। बता दें, पूर्वी हिस्सों पर कब्जा करने के लिए यह शहर महत्वपूर्ण है। चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश इस सप्ताह के अंत में कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की ने चेतावनी दी थी कि पूर्व में स्थिति काफी खराब हो गई है। अब उन्होंने फिर एक बार कहा कि रूस क्रामटोरस्क शहर की ओर बढ़ने से पहले चासिव यार पर कब्जा करने की कोशिश करेगा। इसके लिए वह अपने कब्जे वाले बखमुत के पश्चिम में ध्यान दे रहा है। गौरतलब है, बखमुत से 5-10 किलोमीटर दूर दोनेत्स्क क्षेत्र में चासिव यार स्थित है। पिछले साल मई में रूसी सेना ने बखमुत को अपने कब्जे में लेकर तबाह कर दिया था। खतरा लगातार बना है उन्होंने बताया कि कीव की ब्रिगेड चासिव यार के पास हमलों को रोकने में लगी हुई है। सेना को गोला-बारूद, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों के साथ मजबूत किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि खतरा लगातार बना हुआ है। रूस की सेना ने अपने सैनिकों को नौ मई तक चासिव यार पर कब्जा करने का काम सौंपा है। रक्षा मंत्री ने यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने पूर्वी मोर्चे पर यूक्रेनी इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने हालातों को तनावपूर्ण बताया, जहां बखमुत के पास के प्रमुख शहरों पर कब्जा करने के लिए रूस आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुश्मनों की संख्या अधिक होने के बावजूद हमारे रक्षक अपने साहस और प्रशिक्षण के जरिए लगातार कड़ी टक्कर दे रहे हैं। रूसी हमले के बाद जंग और तेज हुई बता दें, रूस नौ मई को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में रेड स्क्वायर पर एक बड़ी सैन्य परेड कर सकता है। हाल के हफ्तों में रूस ने यूक्रेनी बिजली संयंत्रों और सबस्टेशनों पर तीन बड़े हवाई हमले किए, जिससे जंग और तेज हो गई है। रूस की सेना ने बीते माह में मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रिह में मिसाइल हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी मिसाइलें दो रिहायशी इमारतों पर गिरी थीं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 36 घायल हुए थे। घायलों में सात बच्चे भी शामिल थे। क्रिवी रिह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृह शहर है। मिसाइल हमले के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं, क्षेत्र के गवर्नर ने कहा था कि दो इमारतें मिसाइल की जद में आई हैं, जिसमें एक पांच मंजिला और एक नौ मंजिला है। हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ीं मुश्किलें, एडल्ट स्टार को पैसे देने के मामले में होगी अदालत में पेशी

वॉशिंगटन । एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप

सोमवार कोर्ट में पेश होंगे। यह पहली बार है कि जब अमेरिका के किसी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा। 77 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने एडल्ट फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स से अपने कथित संबंध छिपाने के लिए एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया था। आरोप है कि ट्रंप ने साल 2016 में अपने बिजनेस दस्तावेजों में गड़बड़ी करके एडल्ट स्टार को पैसों का भुगतान किया। डोनाल्ड ट्रंप पर चल रहे हैं चार आपराधिक मामले आरोप है कि ट्रंप ने एडल्ट स्टार को अपने संबंधों के बारे में चुप रहने के लिए पैसों का भुगतान किया ताकि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वह नकारात्मक प्रचार से बच सकें। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चार आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें से ये भी एक है। आशंका है कि अगर किसी आपराधिक मामले में डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा होती है तो इससे उनकी राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर संकट आ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट पार्टी के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं मामले की सुनवाई से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि मैं गवाही दे रहा हूं और मैं केवल सच बता सकता हूं और सच्चाई यह है कि कोई मामला नहीं है।

जहाज पर फंसे 17 भारतीयों से जल्द मिल सकेंगे अधिकारी जयशंकर से बातचीत के एक दिन बाद ईरान का बड़ा फैसला

तेहरान ।
इजराइल-ईरान तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने एलान किया है कि तेहरान जल्द ही भारत के अधिकारियों को उसके 17 लोगों से मुलाकात करने की अनुमति देगा। दरअसल, ईरान की नौसेना ने हाल ही में इजराइल के अरबपति इयाल ओफर का मालवाहक जहाज अपने कब्जे में ले लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय भी सवार थे। इन लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए कल भारतीय विदेश मंत्री ने ईरान के विदेश मंत्री से बातचीत की थी।

यह है मामला

ईरान की नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान की खाड़ी में भारत की ओर आ रहे इजराइली अरबपति के इस जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था। इस जहाज पर 17 भारतीय सवार थे। सबसे पहले हेलीकॉप्टर से इजराइली जहाज पर हमला किया गया था और इसके बाद ईरान की नौसेना ने इस पर कब्जा कर लिया था। इस जहाज का नाम एमएससी एरीज है और उसे आखिरी बार शुक्रवार को दुबई से होर्मुज की ओर जाते हुए देखा गया था। बताया गया है कि जहाज ने अपना ट्रैकिंग डाटा बंद किया हुआ था। इजराइल के जहाजों द्वारा इस क्षेत्र से गुजरते समय अक्सर ट्रैकिंग डाटा बंद कर दिया जाता है।

तेहरान से सहायता का अनुरोध

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री एच. अमीराब्दोल्लाहियन और इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज से फोन पर बात की थी। बातचीत में ईरान-इजराइल संघर्ष की वजह से बने हालात पर चर्चा की गई थी। इस दौरान ईरान द्वारा कब्जे में लिए गए जहाज पर मौजूद 17 भारतीयों की सुरक्षित वापसी पर भी चर्चा बात हुई थी। इसके साथ ही तेहरान से सहायता का अनुरोध किया था।

जल्द से जल्द होगी बैठक

अब एक दिन बाद ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार जब्त मालवाहक जहाज से संबंधित विवरणों पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चालक दल के साथ भारत सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक जल्द से जल्द कराई जाएगी।

ईरान ने इजराइल पर 330 मिसाइलें दागीं

दरअसल, सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित ईरान के राजनयिक मिशन पर एक अप्रैल को इजराइल ने एयर स्ट्राइल की थी। हमले में ईरान के दो शीर्ष कमांडरों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने शनिवार देर रात इजराइल पर 330 मिसाइलें दागी थीं। इस दौरान ड्रोन हमले भी किए गए थे। ईरानी विदेश मंत्री ने गाजा में युद्ध रोकने के साथ-साथ फलस्तीनी एन्क्लेव में इजराइली हमले को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से भारत की निरंतर भूमिका का आह्वान किया। उन्होंने गाजा में एक स्थायी युद्धविराम और भूमध्यसागरीय तटों से लाल सागर तक क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए ईरान की मांग को दोहराया।

महत्वपूर्ण मुद्दा तनाव कम करना

इससे पहले, जयशंकर ने कहा था कि सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा तनाव कम करना है। उन्होंने कहा था कि उन्होंने ईरान और इजराइल के अपने समकक्षों से बात की और पश्चिम एशिया के दोनों देशों के बीच जारी तनाव को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं।

संयम बरतें और कूटनीति की ओर लौटें

जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत के दौरान एमएससी एरीज विमान पर चालक दल के 17 सदस्यों के फंसे होने का मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट कर बताया था कि उन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के विदेश मंत्री एच. अमीराब्दोल्लाहियन से बात की है। एमएससी एरीज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई पर चर्चा की। क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर भी बात हुई। इस दौरान इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश तनाव बढ़ाने से बचें, संयम बरतें और कूटनीति की ओर लौटें। वहीं, विदेश मंत्री ने इजराइल के समकक्ष से भी बात करने के बाद ट्वीट किया था कि इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज के साथ बातचीत हुई। कल के घटनाक्रम पर बात की और चिंता व्यक्त की। हमने पूरे क्षेत्र के हालात पर विस्तार से बात की। हमारे बीच संपर्क में रहने पर सहमति बनी।

भारत की एडवाइजरी में क्या

इस बीच, भारतीय दूतावास ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट में कहा था कि क्षेत्र में हाल की घटनाओं के मद्देनजर इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को शांत रहने और स्थानीय प्राधिकारियों की ओर से जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है।

कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर नियंत्रित करता है स्ट्रोन फ्रूट, लाखों लोगों की हर साल हो जाती है मौत

हार्वर्ड ।
ब्लड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर दोनों के स्टोन फ्रूट नियंत्रित करता है। आज दुनिया की ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर दो बड़ी समस्या है। इन बीमारियों से हर साल लाखों लोगों की मौत होती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया भर में करीब 1,28 अरब लोगों का बीपी बढ़ा हुआ है लेकिन दुर्भाग्य से इनमें से 46 प्रतिशत को पता भी नहीं है कि उन्हें ब्लड प्रेशर की बीमारी है। जब किसी अन्य समस्याओं का इलाज कराने जाते हैं, तब उन्हें पता चलता है कि उनका बीपी बढ़ा हुआ है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक करीब 70 करोड़ लोग बीपी का इलाज भी नहीं कराते हैं। इसकी प्रमुख वजह है कि बीपी की जांच के लिए वे डॉक्टर के पास नहीं जाते। बीपी बढ़ने की मुख्य वजह खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का बढ़ना है। वहीं डायबिटीज में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक विश्व में करीब 42,2 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। इसके साथ ही करीब 15 लाख लोगों की मौत हर साल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डायबिटीज के कारण होती है। ऐसे में समझा जा सकता है कि ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर हमारे लिए कितना खतरनाक है। ऐसे में इन दोनों बीमारियों का नियंत्रित करने के लिए स्टोन फ्रूट बेहद फायदेमंद है। गुठलीदार फलों को स्टोन फ्रूट कहते हैं। स्टोन फ्रूट में बादाम, प्लम, खुबानी, आड़ू, चेरी, बेर, नेक्टारीन्स, आम, लीची, रेस्पबेरीज, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, मल्बेरी, ऑलिव, नारियल, खजूर आदि आते हैं। इन फलों को एंटी-एंफ्लामेटरी फल भी कहा जाता है। इन फलों में अधिकांश पौंधों के लिए 20 से 25 डिग्री तापमान होना चाहिए। इससे ज्यादा तापमान वाली जगहों पर ये फ्रूट नहीं होते। हालांकि आम, लीची गर्मी में होने वाले फल हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की वेबसाइट हेल्थ हार्वर्डके मुताबिक स्टोन फ्रूट में बहुत अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसके अलावा इनमें प्रचूर मात्रा में विटामिन सी, पोटैशियम और कई तरह के फाइटोकेमिकल्स होते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि स्टोन फ्रूट ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। स्टोन फ्रूट का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। कुछ अध्ययनों में यह भी कहा गया है कि स्टोन फ्रूट एक्सरसाइज के बाद दर्द और थकान को दूर करते हैं। साथ ही चेरी जैसे फलों से गठिया के दर्द को भी कम किया जा सकता है।

सिडनी के मॉल में हमलावर के निशाने पर थीं महिलाएं पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा

सिडनी ।
ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक मॉल में हुई चाकूबाजी की घटना को लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पुलिस का कहना है कि हो सकता है कि हमलावर के निशाने पर सिर्फ महिलाएं थीं। पुलिस का कहना है कि घटना में मारे गए छह लोगों में से पांच महिलाएं हैं। साथ ही घायलों में भी 12 महिलाएं ही हैं।

क्या हमलावर के निशाने पर थीं सिर्फ महिलाएं

शनिवार को सिडनी के वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में एक हमलावर ने लोगों पर चाकू से हमला करना शुरू कर दिया था। इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई थी। वहीं घायलों में एक 9 महीने की बच्ची भी शामिल है। पुलिस की फायरिंग में हमलावर मौके पर ही ढेर हो गया था। हमले की वजह अभी तक साफ नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि हमलावर अकेला था। फिलहाल हमले से संबंधित ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

न्यू साउथ वेल्स स्टेट पुलिस के कमिश्नर केरेन वेब ने मीडिया को बताया कि यह स्वभाविक है क्योंकि हमलावर ने पुरुषों को छोड़कर महिलाओं को ही निशाना बनाया। सबूत भी यही कह रहे हैं कि हमलावर के निशाने पर महिलाएं थी। हम भी इस एंगल से जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि सिडनी के मॉल में हुए हमले में सिर्फ एक पुरुष की मौत हुई है, जो कि मॉल का सुरक्षाकर्मी था।

किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमला करने के नहीं मिले सबूत

जांच में हमलावर की पहचान जोएल काउची (40 वर्ष) के रूप में हुई है। हमले के दौरान ही एक महिला पुलिसकर्मी ने गोली मारकर हमलावर को ढेर कर दिया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी काउची को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधी परेशानी थी और अभी तक हमले के पीछे किसी विचारधारा से प्रेरित होकर हमले के सबूत नहीं मिले हैं।

दो महीने तक किया अभ्यास, पहना भारतीय पोशाक; वैशाखी के मौके पर डेलावेयर के जनप्रतिनिधियों ने किया भांगड़ा

न्यूकैसल ।
अमेरिका के डेलावेयर में पहली बार कुछ वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने वैशाखी के मौके पर सिख समुदाय के साथ भांगड़ा किया। ये सभी पंजाबी पोशाक पहने हुए थे। बता दें कि डेलावेयर राष्ट्रपति जो बाइडन का गृहनगर है। इन जनप्रतिनिधियों के ग्रुप में डेलावेयर सीनेट के बहुमत नेता ब्रायन टाउनसेंड, सीनेट बहुमत व्हिप एलिजाबेथ लॉकमैन, सीनेट स्टेफैनी हैनसेन, सीनेट लौरा स्टरजेन, राज्य के प्रतिनिधि शेरी डॉर्से वॉकर और सोफी फिलिप्स शामिल थे।

हम दो महीने से अभ्यास कर रहे थे: जनप्रतिनिधि

ब्रायन टाउनसेंड ने बताया कि उन्होंने इसके लिए दो महीने तक अभ्यास किया और भारतीय-अमेरिकी भांगड़ा प्रशिक्षक विश्वास सिंह सोढ़ी से प्रतिदिन 30 मिनट तक भांगड़ा सीखा था। उन्होंने मीडिया से कहा, हमने करीब दो महीने में 30 घंटे तक अभ्यास किया था। हम आठ लोग थे। हमने साथ मिलकर जितना हो सकता था अभ्यास किया और हमारे पास विश्वास सिंह जैसे एक बेहद शानदार कोच थे। टाउनसेंड ने आगे कहा, हम भाग्यशाली रहे कि हमनें से कोई भी नहीं गिरा। डेलावेयर असेंबली स्पीकर ने सिख समुदाय का किया धन्यावाद बता दें कि जनप्रतिनिधियों का पोशाक भारत में सिला गया था और वहीं से मंगवाया गया था। डेलावेयर असेंबली स्पीकर वैलेरी लॉन्गहर्स्ट ने सिख समुदाय में इतिहास रचने के लिए अपने साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं, क्योंकि डेलावेयर पहला ऐसा राज्य है, जहां जनप्रतिनिधियों ने मंच पर प्रदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा, सिख समुदाय वास्तव में बहुत शानदार हैं। वे बहुत मददगार काम करते हैं। वे हर किसी के लिए अपनी बाहें खोलते हैं। यही सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपने त्योहार में सभी को आमंत्रित किया, जिससे हमसब सीख सकें। हमने देखा और हम सब इसका हिस्सा बनें। हमें बुलाने के लिए शुक्रिया। डेलावेयर सिख सेंटर के संस्थापक और अध्यक्ष चरणजीत सिंह मिंहास ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को एकसाथ भांगड़ा करते देख अच्छा लगा।

हमारे पास और कोई रास्ता नहीं था, इजराइल पर हमले के बाद ईरान ने यूएनएससी में दी सफाई

वॉशिंगटन ।

ईरान के इजराइल पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई। इस बैठक में ईरान के राजनयिक भी शामिल हुए। बैठक में ईरान के राजनयिक ने इजराइल पर हमले का बचाव करते हुए सफाई दी कि उनके पास कोई और रास्ता ही नहीं बचा था और उन्हें हमला करना पड़ा।

ईरान का दावा- कोई रास्ता नहीं बचा था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरवानी ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत इजराइल पर हमला किया। इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपना कर्तव्य निभाने में विफल रहा। ऐसे में तेहरान के पास कोई रास्ता ही नहीं बचा और उसे जवाब देना पड़ा। ईरान के राजनयिक ने ये भी कहा कि उनका देश नहीं चाहता कि संघर्ष बढ़े, लेकिन अगर कोई भी आक्रामक कार्रवाई हुई तो वह उसका जवाब देंगे।

इजराइल ने ईरान प रलगाए ये आरोप

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में इजराइल के राजदूत ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए और क्षेत्र में अशांति के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। इजराइल के राजदूत ने कहा कि ईरान का मुखौटा उतर चुका है। वह दुनियाभर में आतंकवाद को पोषित करता है और क्षेत्र में अशांति के लिए भी ईरान जिम्मेदार है। इजराइल के राजदूत ने मांग की कि ईरानी सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स को एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया जाना चाहिए और बहुत देर हो जाए, उससे पहले ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगा देने चाहिए।

ईरान ने इजराइल पर किया था हवाई हमला

ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन्स और मिसाइलों से सीधा हमला किया। हालांकि इस हमले में इजराइल को खास नुकसान नहीं हुआ और इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने करीब सारी मिसाइलों और ड्रोन्स को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। इसमें इजराइल को अमेरिका, जॉर्डन और ब्रिटेन से भी मदद मिली। ईरान का कहना है कि यह हमला बीती 1 अप्रैल को इजराइल द्वारा सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया, जिसमें ईरानी सेना के सात अधिकारी मारे गए, जिनमें दो शीर्ष कमांडर शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ईरान के इजराइल पर हमले की आलोचना की, साथ ही इजराइल के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमले की भी आलोचना की।